कृपा बरसने लगी | by Atul Pareek

किरपा बरसने लगी, कन्हैया तेरी किरपा बरसने लगी
बरसो से खाली थी झोली मेर, खुशियों से भरने लगी
किरपा बरसने लगी.....

सूनी ज़िंदगानी थी मुश्किल कहानी थी
अब तो सँवारने लगी
किरपा बरसने लगी.....

नैया मझधार थी, टूटी पतवार थी
भव से उतरने लगी
किरपा बरसने लगी.....

दिल ने जो चाहा है,मोहित ने पाया है
बिगड़ी सुधरने लगी
किरपा बरसने लगी.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%83%e0%a4%aa%e0%a4%be-%e0%a4%ac%e0%a4%b0%e0%a4%b8%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%b2%e0%a4%97%e0%a5%80-by-atul-pareek/